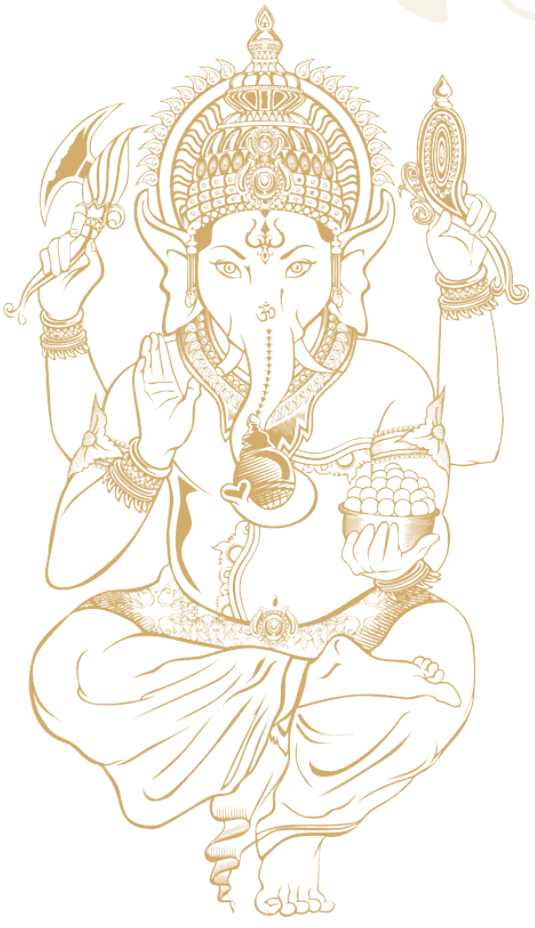

Rachit

30 Oct 2004

11:55 PM

Firozabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121115809

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/10/2004**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**23:55:00 घंटे**
इष्ट	43:43:46 घटी
स्थान	**Firozabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:38:36 घंटे
वेलान्तर	00:16:23 घंटे
साम्पातिक काल	02:16:13 घंटे
सूर्योदय	06:25:29 घंटे
सूर्यास्त	17:34:29 घंटे
दिनमान	11:09:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	13:45:04 तुला
लग्न के अंश	16:58:53 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	16:58:53	309:58:14	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			तुला	13:45:04	00:59:58	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			वृष	13:49:23	12:08:39	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	28:30:06	00:39:33	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
बुध			तुला	29:00:56	01:28:51	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			कन्या	13:35:16	00:12:02	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	08:10:55	01:12:36	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शनि			कर्क	03:21:11	00:00:58	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	08:12:58	00:00:39	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	08:12:58	00:00:39	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	09:00:41	00:00:36	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	18:41:46	00:00:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:35:01	00:01:47	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मेष	12:27:22	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:18

लग्न-चलित

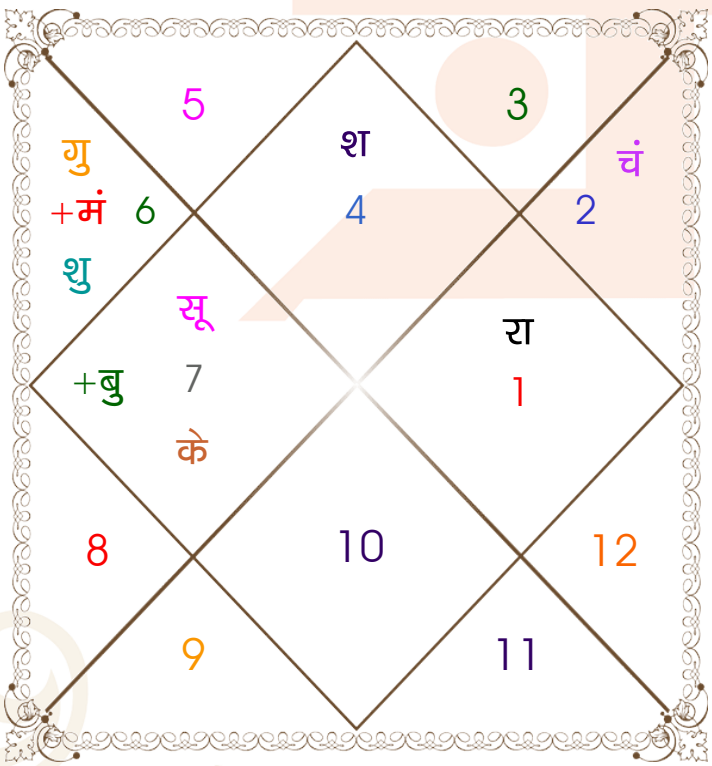

चन्द्र कुंडली

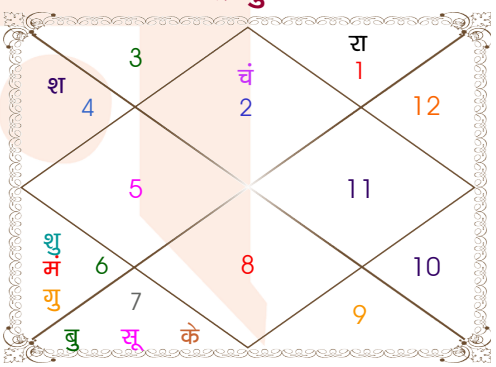

नवमांश कुंडली

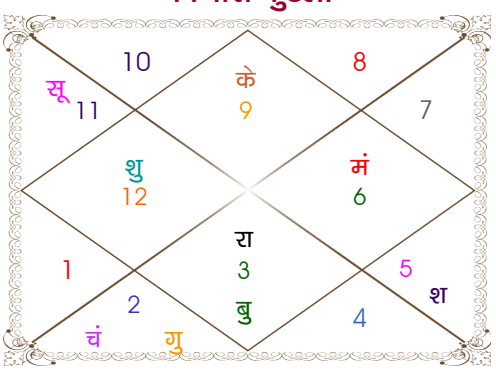

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 1 मास 18 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/10/2004		19/12/2011		18/12/2018		18/12/2036		18/12/2052	
19/12/2011		18/12/2018		18/12/2036		18/12/2052		19/12/2071	
	00/00/0000	मंगल	16/05/2012	राहु	31/08/2021	गुरु	05/02/2039	शनि	22/12/2055
	30/10/2004	राहु	03/06/2013	गुरु	24/01/2024	शनि	18/08/2041	बुध	31/08/2058
राहु	18/11/2004	गुरु	10/05/2014	शनि	30/11/2026	बुध	24/11/2043	केतु	10/10/2059
गुरु	20/03/2006	शनि	19/06/2015	बुध	19/06/2029	केतु	30/10/2044	शुक्र	09/12/2062
शनि	19/10/2007	बुध	15/06/2016	केतु	07/07/2030	शुक्र	01/07/2047	सूर्य	21/11/2063
बुध	19/03/2009	केतु	11/11/2016	शुक्र	07/07/2033	सूर्य	18/04/2048	चंद्र	22/06/2065
केतु	18/10/2009	शुक्र	12/01/2018	सूर्य	01/06/2034	चंद्र	18/08/2049	मंगल	31/07/2066
शुक्र	19/06/2011	सूर्य	19/05/2018	चंद्र	30/11/2035	मंगल	25/07/2050	राहु	06/06/2069
सूर्य	19/12/2011	चंद्र	18/12/2018	मंगल	18/12/2036	राहु	18/12/2052	गुरु	19/12/2071

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/12/2071		18/12/2088		19/12/2095		20/12/2115		19/12/2121	
18/12/2088		19/12/2095		20/12/2115		19/12/2121		00/00/0000	
बुध	16/05/2074	केतु	16/05/2089	शुक्र	19/04/2099	सूर्य	07/04/2116	चंद्र	20/10/2122
केतु	14/05/2075	शुक्र	16/07/2090	सूर्य	19/04/2100	चंद्र	07/10/2116	मंगल	21/05/2123
शुक्र	13/03/2078	सूर्य	21/11/2090	चंद्र	19/12/2101	मंगल	12/02/2117	राहु	31/10/2124
सूर्य	18/01/2079	चंद्र	22/06/2091	मंगल	18/02/2103	राहु	07/01/2118		00/00/0000
चंद्र	18/06/2080	मंगल	18/11/2091	राहु	18/02/2106	गुरु	26/10/2118		00/00/0000
मंगल	16/06/2081	राहु	06/12/2092	गुरु	19/10/2108	शनि	08/10/2119		00/00/0000
राहु	03/01/2084	गुरु	12/11/2093	शनि	20/12/2111	बुध	13/08/2120		00/00/0000
गुरु	10/04/2086	शनि	22/12/2094	बुध	20/10/2114	केतु	19/12/2120		00/00/0000
शनि	18/12/2088	बुध	19/12/2095	केतु	20/12/2115	शुक्र	19/12/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 1 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।